भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या : 276
दिनांक 18 दिसंबर 2025

एलपीजी आपूर्ति और बॉटलिंग अवसंरचना का विस्तार और आधुनिकीकरण

***276. श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः**

श्री विनोद लखमशी चावड़ाः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की वर्तमान एलपीजी बॉटलिंग क्षमता और पिछले दस वर्षों के दौरान हासिल की गई क्षमता वृद्धि तथा इस संबंध में राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार विशेषकर मध्य प्रदेश के देवास और शाजापुर जिलों के संबंध में तेल विपणन कंपनियों की भावी विस्तार योजनाएं क्या हैं;

(ख) देश में बॉटलिंग संयंत्रों, एलपीजी टर्मिनलों और संबंधित संभार तंत्र अवसंरचना के विस्तार के लिए कार्याधीन परियोजनाओं का ब्यौरा और विशेष रूप से उक्त क्षेत्र में इसे पूरा करने की समय-सीमा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार राजस्थान के जालौर और सिरोही जिलों में एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र स्थापित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा सड़क टैंकरों पर निर्भरता को कम करने के लिए एलपीजी पाइपलाइन परिवहन का विस्तार करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं और साथ ही प्रचालनशील और निर्माणाधीन एलपीजी पाइपलाइनों की सूची क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का विचार विशेष रूप से उक्त निर्वाचन क्षेत्रों में वैश्विक व्यवधान के संदर्भ में आपूर्ति सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एलपीजी के कार्यनीतिक भंडारों का सृजन या विस्तार करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) से (ङ): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

‘एलपीजी आपूर्ति और बॉटलिंग अवसंरचना का विस्तार और आधुनिकीकरण’ के संबंध में संसद सदस्य श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया और श्री विनोद लखमशी चावड़ा द्वारा दिनांक 18.12.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 276 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) देश में एलपीजी भरण क्षमता पर्याप्त रूप से उपलब्ध है। दिनाँक 01.12.2025 की स्थिति के अनुसार, पीएसयू ओएमसीज की भरण क्षमता 23.1 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष है। अधिकतर भरण संयंत्र वर्तमान में एक या दो पाली में प्रचालित हैं। प्रतिदिन पालियों की संख्या बढ़ाकर वास्तविक एलपीजी भरण को उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ाया जा सकता है। राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र-वार एलपीजी भरण संयंत्रों की संख्या और उनकी भरण क्षमता का विवरण अनुलग्नक-क में दिया गया है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान, पीएसयू ओएमसीज ने 28 नए एलपीजी भरण संयंत्र चालू किए हैं जिससे भरण क्षमता को 9079 हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष (टीएमटीपीए) की वृद्धि हुई। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

ओएमसी	क्षमता वृद्धि (टीएमटीआरए)*	बीपी की संख्या
आईओसी	3461	11
एचपीसी	3413	10
बीपीसी	2205	7
कुल	9079	28

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल

* हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष (टीएमटीपीए)

मध्य प्रदेश के देवास और शाजापुर जिलों में स्थित डिस्ट्रीब्यूटरशिपों को एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति करने वाले पीएसयू ओएमसीज के भरण संयंत्रों का विवरण निम्नानुसार है-

ओएमसी	भरण संयंत्र का स्थल (बीपी)	क्षमता हजार मीट्रिक टन प्रतिवर्ष (टीएमटीपीए)
आईओसीएल	उज्जैन	180
बीपीसीएल	पीतमपुरा	60
बीपीसीएल	बकीना	60
एचपीसीएल	इंदौर	120

(ख): पीएसयू ओएमसीज में चल रही नई भरण परियोजनाओं और वर्तमान भरण संयंत्रों की क्षमता बढ़ाने की परियोजनाओं से देश में 800 टीएमटीपीए की अतिरिक्त भरण क्षमता प्राप्त होगी। चल रही एलपीजी अवसंरचना परियोजनाओं का विवरण अनुलग्नक-ख में दिया गया है।

(ग) वर्तमान में, पीएसयू ओएमसीज की राजस्थान के जालौर या सिरोही जिलों में नई एलपीजी भरण संयंत्र स्थापित करने की कोई योजना नहीं है। जालौर और सिरोही जिलों के उपभोक्ताओं की सेवा में लगी पीएसयू ओएमसीज के वर्तमान भरण संयंत्रों का विवरण निम्नानुसार है: –

ओएमसी	भरण संयंत्र का स्थल (बीपी)	क्षमता हजार मीट्रिक टन प्रतिवर्ष

		(टीएमटीपीए)
आईओसीएल	जोधपुर, राजस्थान	60
आईओसीएल	साणंद, गुजरात	180
बीपीसीएल	उदयपुर, राजस्थान	60
एचपीसीएल	पिंडवाड़ा, राजस्थान	120

(घ) पिछले 10 वर्षों में, पीएसयू ओएमसीज ने पूरे भारत में पाइपलाइनों के माध्यम से एलपीजी के परिवहन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। समग्र रूप से, उद्योग ने पाइपलाइन के उपयोग को मॉडल हिस्सेदारी और कुल मात्रा दोनों के संदर्भ में बढ़ाया है। मात्रा के संदर्भ में, ओएमसीज का पाइपलाइन परिवहन वर्ष 2014 में 5,159 टन मीट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2015 में 14,165 टन मीट्रिक टन हो गया है। सभी ओएमसीज में यह लगातार बढ़ती प्रवृत्ति थोक एलपीजी परिवहन के लिए पाइपलाइनों पर अधिक निर्भरता की ओर एक मजबूत उद्योग-व्यापी बदलाव को इंगित करती है, जिसके परिणामस्वरूप दक्षता और सुरक्षा में वृद्धि, रसद लागत में कमी और आपूर्ति श्रृंखला की विश्वसनीयता में सुधार होता है। पिछले 10 वर्षों में संयुक्त उद्यम कंपनियों और चल रही परियोजनाओं सहित ओएमसी द्वारा जोड़ी गई एलपीजी पाइपलाइनों का विवरण अनुलग्नक-ग में दिया गया है।

(ङ) पिछले दशक में, ओएमसीज ने अस्थिर वैश्विक परिवेश में एलपीजी आयात में महत्वपूर्ण क्षमता विस्तार और एलपीजी आपूर्ति सुरक्षा को बढ़ाने के लिए भंडारण अवसंरचना में वृद्धि की है। सरकार, समय-समय पर तकनीकी और व्यवसायिक व्यवहार्यता के आधार पर भंडारण क्षमता बढ़ाने की संभावनाओं का मूल्यांकन करती है।अतिरिक्त पेट्रोलियम रिजर्व स्थापित करने के लिए नए स्थलों का मूल्यांकन करना एक सतत प्रक्रिया है।

*****

अनुलग्नक- क

'एलपीजी आपूर्ति और बॉटलिंग अवसंरचना का विस्तार और आधुनिकीकरण " के संबंध में दिनांक 18.12.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 276 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

दिनांक 01.12.2025 की स्थिति के अनुसार देश में एलपीजी बॉटलिंग प्लांट और उनकी एलपीजी बॉटलिंग क्षमता का ब्यौरा

क्रम सं.	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	दिनांक 01.12.2025 की स्थिति के अनुसार बॉटलिंग क्षमता (टीएमटीपीए)			
		आईओसीएल	एचपीसीएल	बीपीसीएल	कुल
1	अंडमान और निकोबार	15	0	0	15
2	आंध्र प्रदेश	420	540	120	1080
3	असम	540	30	60	630
4	बिहार	750	360	120	1230
5	छत्तीसगढ़	180	120	30	330
6	दिल्ली	480	0	0	480
7	गोवा	0	60	30	90
8	गुजरात	570	240	300	1110
9	हरियाणा	300	240	300	840
10	हिमाचल प्रदेश	90	0	0	90
11	जम्मू और कश्मीर	65	120	0	185
12	झारखंड	240	180	60	480
13	कर्नाटक	600	670	330	1600
14	केरल	420	120	150	690
15	मध्य प्रदेश	510	300	150	960
16	महाराष्ट्र	420	1140	1170	2730
17	मणिपुर	30	0	0	30
18	नगालैंड	22	0	0	22
19	उड़ीसा	180	240	90	510
20	पुदुचेरी	60	0	0	60
21	पंजाब	480	180	300	960
22	राजस्थान	510	360	300	1170
23	सिक्किम	11	0	0	11
24	तमिलनाडु	1170	240	420	1830
25	तेलंगाना	360	240	180	780
26	त्रिपुरा	60	0	0	60
27	उत्तर प्रदेश	1710	660	780	3150
28	उत्तराखंड	120	60	60	240
29	पश्चिम बंगाल	960	370	420	1750
	कुल	11273	6470	5370	23113

स्रोत: पीएसयू ओमएमसी की ओर से आईओसीएल

अनुलग्नक- ख

‘एलपीजी आपूर्ति और बॉटलिंग अवसंरचना का विस्तार और आधुनिकीकरण ” के संबंध में दिनांक 18.12.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 276 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक ।

चल रहे एलपीजी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना की जानकारी:

बॉटलिंग प्लांट :

परियोजना स्थान	राज्य	क्षमता (टीएमटीपीए)	पीएसयू ओएमसी	निर्धारित समापन
उमियम (नया)	मेघालय	30	आईओसीएल	जून, 2026
मुआलखांग (नया)	मिजोरम	30	आईओसीएल	अक्टूबर, 2027
मटिया (नया)	असम	30	बीपीसीएल	मार्च, 2026
गोपालगंज (नया)	बिहार	120	बीपीसीएल	मार्च, 2027
बडनेरा (नया)	महाराष्ट्र	30	बीपीसीएल	मार्च, 2026
कानपुर (नया)	उत्तर प्रदेश	120	बीपीसीएल	सितंबर, 2027
बैंगलोर (क्षमता वृद्धि)	कर्नाटक	120	बीपीसीएल	मार्च, 2026
जयपुर (क्षमता वृद्धि)	जयपुर, राजस्थान	60	बीपीसीएल	मार्च, 2027
इंदौर (क्षमता वृद्धि)	मध्य प्रदेश	60	बीपीसीएल	मार्च, 2027
लोनी (क्षमता वृद्धि)	उत्तर प्रदेश	120	बीपीसीएल	मार्च, 2027
पटना (क्षमता वृद्धि)	बिहार	20	बीपीसीएल	सितंबर, 2026
नजीबाबाद (नया)	उत्तर प्रदेश	30	एचपीसीएल	जुलाई, 2026
नंदेसरी (नया)	उत्तर प्रदेश	30	एचपीसीएल	अगस्त, 2026
कुल		800 टीएमटीपीए		

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल

भंडारण/टैंकेज :

परियोजना	जगह	क्षमता (एमटी)	ओएमसी	निर्धारित समापन
क्रायोजेनिक एलपीजी स्टोरेज और पाइपलाइन (नया)	उरण , महाराष्ट्र	30000	बीपीसीएल	जून, 2026

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल

अनुलग्नक- ग

'एलपीजी आपूर्ति और बॉटलिंग अवसंरचना का विस्तार और आधुनिकीकरण " के संबंध में दिनांक 18.12.2025 को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 276 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक ।

चालू और निर्माणाधीन एलपीजी पाइपलाइनों का विवरण

क्रम सं.	पाइपलाइन का नाम	क्षमता (एमएमटीपीए)	सीपीएसई	लंबाई (किमी में)	स्थिति
1	मंगलौर – येदियुर	3.11	एचपीसीएल	355	आपरेशनल
2	उरण - चाकन	1.00	एचपीसीएल/बीपीसीएल	164	आपरेशनल
3	पारादीप – हल्दिया - दुर्गापुर और मुजफ्फरपुर तक विस्तार	3.5	आईओसीएल	1705	आपरेशनल
4	हसन- चेरलापल्ली	2.2	एचपीसीएल	620	आपरेशनल
5	जामनगर लोनी एलपीजी पाइपलाइन	3.25	गेल	1415	आपरेशनल
6	विजाग सिकंदराबाद एलपीजी पाइपलाइन	1.35	गेल	613	आपरेशनल
7	पानीपत-जालंधर पाइपलाइन	0.7	आईओसीएल	280	आपरेशनल
8	कोच्चि - सेलम	1.53	बीपीसीएल / आईओसीएल	205	पलक्कड़ तक चालू और तमिलनाडु में निर्माणाधीन
9	कांडला - गोरखपुर	8.25	आईओसीएल/ बीपीसीएल / एचपीसीएल	2805	गुजरात में चालू है। एमपी और यूपी में बन रहा है।

10	जालंधर गोइंदवाल एलपीजी पाइपलाइन	0.22	आईओसीएल	85	निर्माणाधीन
11	हल्दिया पानागढ़ एलपीजी पाइपलाइन	1.45	एचपीसीएल	215	निर्माणाधीन

स्रोत: पीएसयू ओएमसीज की ओर से आईओसीएल